9. आविन्यों

पाठ का सारांश

- लगभग दस बरस पहले पहली बार आविन्यों गया था। दक्षिण फ्रांस में रोन नदी के किनारे बसा एक पुराना शहर है जहाँ कमी कुछ समय के लिए पोप राजधानी थी और अब गर्मियों में फ्रांस ओर यूरोप का एक अत्यन्त प्रसिद्ध और लोकप्रिय रंग-समारोह हर बरस होता है। उस बरस वहाँ भारत केन्द्र में था। पीटर ब्रुक का विवादास्पद 'महाभारत' पहले पहल प्रस्तुत किया जाने वाला था और उन्होंने मुझे निमंत्रण भेजा था।
- रोन नदी के दूसरी ओर आविन्यों का एक हिस्सा है जो लगभग स्वतंत्र है। नाम है वीलनव्व आविन्यों-वहाँ दरअसल फ्रेंच शासकों ने पोप की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए किला बनवाया था। उसी में काथूसियन सम्प्रदाय का एक ईसाई मठ बना ला शत्रूज। चौदहवीं सदी से फ्रेंच क्रांति तक उसका धार्मिक उपयोग होता रहा। अब इसमें एक कलाकेन्द्र स्थापित है। यह केन्द्र इन दिनों रंगमंच और लेखन से जुड़ा हुआ है।
- मेरा प्रवास वहाँ उन्नीस दिन का था, 24 अक्टूबर से 10 नवम्बर 1994 की दोपहर तक। कुल उन्नीस दिनों में पैंतीस कविताएँ और सत्ताईस गद्य रचनाएँ लिखी गई। आविन्यों फ्रांस का एक प्रमुख कलाकेन्द्र रहा है। पिकासो की विख्यात कृति का शीर्षक है 'लमादामोजेल द आविन्यों'
- प्रतीक्षा करते हैं पत्थर
- किसी देवता या काल की नहीं पता नहीं किसकी प्रतीक्षा करते हैं पत्थर-धीरज से रेशा-रेशा झिरते हुए, शिरा-शिरा घिलते हुए, प्रतीक्षारत रहते हैं एन्थर। बिना शब्द कविता लिखते हैं, पत्थर। पता नहीं किसकी प्रतीक्षा करते हैं पत्थर।
- नदी के किनारे भी नदी है ।
- यहाँ पास में ही रोन नदी है। इस तरफ वीलनव्व और दूसरी ओर आविन्यों। तट पर बैठो तो कई बार लगता है कि जल स्थिर है और तट ही बह रहा है। नदी तट पर बैठना भी नदी के साथ बहना है; कई बार नदी स्थिर होती है, हम तट पर बैठे रहते हैं। नदी के पास होना नदी होना है। नदी किसी को अनदेखा नहीं करती, वह सबको भिगोती है, अपने साथ करती है। उसी प्रकार कविता में हम बरबस ही शामिल हो जाते हैं।

9. आविन्यों

* लेखक परिचय *

लेखक → अशोक वाजपेयी

जन्म → 16 जनवरी 1941 ई० को दुर्ग (छत्तीसगढ़)

मूल निवास → मध्य प्रदेश

माता → निर्मला देवी

पिता → परमानन्द वाजपेयी

प्रारम्भिक शिक्षा → गोवरमेंट हायर सकैन्डरी स्कूल से

→ सागर विश्वविद्यालय से B.A किया था|

→ दिल्ली से अंग्रेज़ी में M.A किया था|

→ भारतीय प्रशासनिक सेवा के कई पद पर इन्होंने कार्य किया|

→ महात्मा गाँधी अंतराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपत्ति रहे थे|

रचनाएँ - एक पतंग अनंतं तत्पुरुष, कही नही यही, थोड़ी सी जगह आलोचनाएँ (पुस्तक), कुछ पूर्वाग्रह, समय से बाहर, फितघल(पुस्तक)

पुस्तक → तीसरा साक्ष्य, साहित्य विनोद, कल्पना विनोद, कविता का जनपत्र

पत्रिका - संवेद, पहचान, पूर्वाग्रह, बहुवचन, कविता, एशिया

पुरस्कार - साहित्य अकादमी पुरस्कार, दयावती मोदी, कवि शेखर सम्मान फ्रेंच सरकार का ऑफिसर ऑल द अवर्ड क्रॉस (2004 में)

* यह ललति रचना अविन्यो नामक गद्य एवं कविता के सृजनात्मक संग्रह से लिया।

9. अविन्यों

Short answer questions

1. (i) आविन्यों किस लिए प्रसिद्ध है ? पिकासो की विख्यात कृति का शीर्षक क्या है ?

उत्तर - आविन्यों फ्रांस का एक महत्त्वपूर्ण कलाकेंद्र हैं। पिकासो की विख्यात कृति का शीर्षक है- 'ल मादामोजेल द आविन्यों।

(ii) तीन अतियथार्थवादी कवयित्रियाँ कौन जिन्होंने आविन्यों में रहकर लगभग तीस संयुक्त कविताएँ लिखीं ?

उत्तर - तीन अतियथार्थवादी कवयित्रियाँ हैं – आन्द्रे ब्रेताँ, रेने शॉ और पाल एलुआर। इन्होंने आविन्यों में रहकर तीस संयुक्त कविताएँ लिखीं।

(iii) लेखक किसके प्रति कृतज्ञ है ? उसकी गहरी पीड़ा का क्या कारण है ?

उत्तर - लेखक ने ला शत्रूज में जो पाया, उसके प्रति वह कृतज्ञ है। उसने वहाँ जो गँवाया उसके लिए उसके मन में गहरी पीड़ा है।

(iv) ला शत्रूज के निदेशक को किस बात पर अचरज हुआ था ?

उत्तर - तीन अतियथार्थवादी कवयित्रियाँ आविन्यों में साथ रहकर तीस संयुक्त कविताएँ लिखी थीं। ला शत्रूज के निदेशक को इतनी अल्पावधि में इतने काम पर अचरज हुआ था।

(v) हर बरस आविन्यों में कब और कैसा समारोह हुआ करता है ?

उत्तर - आविन्यों में हर बरस गर्मियों में फ्रांस और यूरोप का एक अत्यंत प्रसिद्ध और लोकप्रिय रंग समारोह आयोजित किया जाता है। इस समारोह में नाट्यमंचन के साथ गायन आदि के अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं।

2. (i) नदी और कविता में लेखक क्या समानता पाता है ?

उत्तर - लेखक नदी और कविता में अनेक समानताएँ पाता है। नदी के समान कविता भी हमसे सदियों से जुड़ी हुई है। नदी हर दिन सागर से मिलती रहती है, पर उसमें कभी जल का अभाव नहीं होता। एक ही कविता को पाठक जिंदगी भर पढ़ता है, पर उसका रस कभी नहीं चुकता । नदी की मुख्यधारा में विभिन्न दिशाओं से अनेक धाराएँ मिलती रहती हैं और उसमें विलीन होती रहती हैं। कविता में भी विभिन्न स्रोतों से अनेक बिंबमालाएँ, शब्द भंगिमाएँ, जीवन-छवियाँ और प्रतीतियाँ आकर मिलती रहती हैं और तदाकृत होती रहती हैं।

(ii) निरंतरता क्या करती है ?

उत्तर - नदी और कविता की निरंतरता अमर परंपरा का निर्माण करती है। निरंतरता नदी को सूखने नहीं देती और यह कविता को क्षीण नहीं होने देती। निरंतरता के कारण नदी जलमय बनी रहती है और कविता रसमय।

(iii) किसके पास तटस्थ रह पाना संभव नहीं हो पाता, और क्यों ?

उत्तर - नदी और कविता के पास होकर तटस्थ रहना असंभव है। नदी और कविता अपनी-अपनी रसमय धारा से हमें इस तरह सिंचित करती हैं कि हम उनसे अलग हो ही नहीं सकते। हम यदि अपने खुलेपन के साथ इनके पास होते हैं तो ये अपने- अपने अलौकिक सौंदर्य से हमें अभिभूत कर डालती हैं, उस समय हमारा मन हमारे पास न होकर उनके वश में होता है। नदी की आभा और कविता की चमक हमें तटस्थ नहीं रहने देती, हम इनके सौंदर्य में खो जाते हैं।

3. आविन्यों क्या है और वह कहाँ अवस्थित है ? हर बरस आविन्यों में कब और कैसा समारोह हुआ करता है ?

उत्तर - आविन्यों मध्ययुगीन ईसाई मठ है। यह दक्षिणी फ्रांस में अवस्थित है। आविन्यों फ्रांस का एक प्रमुख कलाकेंद्र रहा है। यहाँ गर्मियों में प्रतिवर्ष फ्रांस और यूरोप का एक अत्यंत प्रसिद्ध और लोकप्रिय रंग-समारोह होता है।

4. (i) लेखक आविन्यों किस सिलसिले में गए थे ? वहाँ उन्होंने क्या देखा-सुना ?

उत्तर - लेखक को आविन्यों के कलाकेंद्र में पीटर ब्रुक द्वारा की जा रही 'महाभारत' की प्रस्तुति में दर्शक की हैसियत से आमंत्रित किया गया था। पत्थरो की एक खदान में, आविन्यों से कुछ किलोमीटर दूर पीटर ब्रुक के विवादास्पद 'महाभारत' का प्रस्तुतीकरण किया गया था। वह प्रस्तुति

सच्चे अर्थों में भव्य और महाकाव्यात्मक थी। लेखक ने देखा कि गर्मियों में आविन्यों के अनेक चर्च और पुरातन ऐतिहासिक महत्त्व के स्थान रंगस्थल में बदल जाते हैं।

(ii) ला शत्रूज क्या है और वह कहाँ अवस्थित है ? आजकल उसका क्या उपयोग होता है ?

उत्तर - ला शत्रूज कार्यूसियन संप्रदाय का एक ईसाई मठ है। यह 'वीलनव्व ल आविन्यों' (अर्थात, आविन्यों का नया गाँव) में अवस्थित है जो रोन नदी की दूसरी ओर है और लगभग स्वतंत्र है। आजकल इसका उपयोग एक कलाकेंद्र के रूप में होता है। यह केंद्र आजकल रंगमंच और लेखन से जुड़ा हुआ है। यहाँ नाटककार, अभिनेता, संगीतकार, रंगकर्मी आदि आते हैं और पुराने ईसाई संतों के चैंबर्स में रहकर रचनात्मक लेखन करते हैं।

5. (i) नदी के तट पर बैठे हुए लेखक को क्या अनुभव होता है? नदी के तट पर लेखक को किसकी याद आती है, और क्यों ?

उत्तर - रोन नदी के तट पर बैठे हुए लेखक को अनुभव होता है कि जैसे वह भी नदी का प्रवाह बन गया हो और उसके साथ बह रहा हो। कभी-कभी उसे ऐसा अनुभव होता है जैसे नदी ही स्थिर हो गई है और तट प्रवाहित हो रहा है। नदी के तट पर बैठकर लेखक को लगता है मानो वह भी नदी बन गया हो और नदी की बिरादरी में शामिल हो गया हो।

नदी तट पर बैठे लेखक को 'नदी चेहरा लोगों' की याद आ जाती है (विनोद कुमार शुक्ल की कविता — 'नदी- चेहरा लोगों' के आधार पर)। 'नदी-चेहरा लोग' नदी के सतत प्रवाह का अर्थ अपने संपूर्ण अस्तित्व में समेटे हुए होते हैं, कवि को ऐसे ही लोग याद आ जाते हैं।

(ii) नदी और कविता में लेखक क्या समानता पाता है ?

उत्तर - नदी और कविता, दोनों का मानव जीवन के साथ अविच्छिन्न संबंध है। जैसे नदी में जल का प्रवाह सदा बना रहता है, उसी प्रकार कविता सदा शब्द और अर्थ के प्रवाह से पूर्ण रहती है। नदी और कविता, दोनों ही हमें अभिभूत करती हैं। ये दोनों हमारे चेहरों की चमक हैं। इन दोनों की निरंतरता मानव जीवन को सार्थक करती है।

6. 'प्रतीक्षा करते हैं पत्थर' शीर्षक कविता से आपको क्या सीख मिलती है ?

उत्तर - पत्थरों में धैर्य है, पीड़ा सहने की क्षमता है, अटूट संकल्प है, निर्भयता है और स्वाभिमान है। इन सबके ऊपर है, उनका अपने प्रिय के प्रति समर्पण भाव। रेशा-रेशा झिरते हुए, शिरा-शिरा छिलते तथा मर्मांतक पीड़ा झेलते हुए भी पत्थर अपने प्रिय के प्रति समर्पित हैं। मुसीबतें उनके संकल्प को नहीं तोड़ पातीं, विपरीत परिस्थितियों में भी वे अविचल हैं, स्वाभिमान और निर्भयता उनके चरित्र के भूषण है। वे अपनी धुन के पक्के हैं। 'प्रतीक्षा करते हैं पत्थर' शीर्षक कविता से हम पत्थर के उपर्युक्त गुण सीखते हैं।

7. लेखक आविन्यों क्या साथ लेकर गए थे और वहाँ कितने दिनों तक रहे ? लेखक की उपलब्धि क्या रही ?

उत्तर - लेखक आविन्यों में उन्नीस दिनों तक रहे। वे वहाँ अपने साथ हिंदी का टाइपराइटर, तीन-चार पुस्तकें और कुछ संगीत के टेप्स ही ले गए थे। यह लेखक के जीवन का पहला अवसर था जब वे सांसारिक उलझनों से एकदम मुक्त थे। वे उस निपट एकांत में अपने में और लेखन में डूबे रहे। लेखक की उपलब्धि यही रही कि उन्होंने उन्नीस दिनों में पैंतीस कविताएँ और सत्ताईस गद्य रचनाएँ लिखीं।

9. आविन्यों

1. ललित रचना 'आविन्यों' के रचनाकार कौन हैं ?

(A) अमरकांत

(B) अशोक वाजपेयी

(C) गुणाकर मुले

(D) विनोद कुमार शुक्ल

Ans – B

2. अशोक वाजपेयी का जन्म कब हुआ था।

(A) 16 जनवरी, 1941 ई० में

(B) 10 मार्च, 1942 ई० में

(C) 19 मई, 1943 ई० में

(D) 15 जून, 1944 ई० में

Ans – A

3. फ्रांस का प्रमुख कला केन्द्र रहा है -

(A) एफिल टावर

(B) आविन्यो

(C) (A) एवं (B) दोनो

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – B

4. 'आविन्यो' किस देश में है ?

(A) रूस

(B) फ्रांस

(C) जर्मनी

(D) स्विट्जरलैंड

Ans – B

5. लेखक अशोक वाजपेयी आविन्यों में कुल कितने दिन रहे?

(A) पन्द्रह दिन

(B) उन्नीस दिन

(C) बीस दिन

(D) बाइस दिन

Ans – B

6. लेखक आविन्यों क्या साथ लेकर गए थे ?

(A) हिन्दी टाइपराइटर

(B) तीन-चार पुस्तकें

(C) कुछ संगीत के टेप्स

(D) उपर्युक्त सभी

Ans – D

7. ला शत्रूज क्या है ?

(A) बौध मठ

(B) ईसाई मठ

(C) विहार मठ

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – B

8. 'ला शत्रूज' का धार्मिक उपयोग कब से कब तक होता रहा ?

(A) ग्यारहवीं सदी से फ्रेंच क्रांति तक

(B) बारहवीं सदी से फ्रेंच क्रांति तक

(C) तेरहवीं सदी से फ्रेंच क्रांति तक

(D) चौदहवीं सदी से फ्रेंच क्रांति तक

Ans – D

9. आविन्यों में उन्नीस दिनों के प्रवास के दौरान लेखक ने कितने गद्य की रचना की ?

(A) 27

(B) 28

(C) 29

(D) 30

Ans – A

10. आविन्यों में रहकर लगभग तीस संयुक्त कविताएँ लिखने वाले अतियथार्थवादी कवित्रयी हैं।

(A) आन्द्रे ब्रेता

(B) रेन शाँ

(C) पाल एलुआर

(D) उपर्युक्त सभी

Ans – D

11. अशोक वाजपेयी की ललित रचना है।

(A) नागरी लिपि

(B) नौबतखाने में इवादत

(C) मछली

(D) आविन्यों

Ans – D

12. कविता नहीं है -

(A) आविन्यों

(B) स्वदेशी

(C) हमारी नींद

(D) भारतमाता

Ans – A

13. रोन नदी के दूसरी ओर आविन्यों का एक और हिस्सा है जो लगभग स्वतंत्र है। नाम है- वीलनत्व ल आविन्यों, अर्थात् आविन्यों का नया गाँव शायद कहना चाहिए नयी वस्ती। इस गद्यांश के लेखक कौन हैं?

(A) रामविलास शर्मा

(B) अशोक वाजपेयी

(C) विनोद कुमार शुक्ल

(D) यतीन्द्र मिश्र

Ans – B

14. 'ल मादामोजेल द आविन्यों' किसकी कृति है ?

(A) लियानार्दो द विंची

(B) पिकासो

(C) रवीन्द्रनाथ टैगोर

(D) विन्सेंट वैन गो

Ans – B

15. आविन्यों, दक्षिण फ्रांस में रोन नदी के किनारे बसा कैसा शहर है?

(A) नया

(B) आधुनिक

(C) पुराना

(D) विकसित

Ans – C

16. महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति कौन थे?

(A) नलिन विलोचन शर्मा

(B) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(C) अशोक वाजपेयी

(D) अमरकांत

Ans – C

17. 'वीलनत्व' क्या है ?

(A) एक शहर

(B) एक छोटा सा गाँव

(C) एक नदी

(D) एक झील

Ans – B

18. 'रोन' नदी के किनारे बसे शहर का नाम है

(A) लंदन

(B) लाहौर

(C) आविन्यों

(D) लखनऊ

Ans – C

19. प्रत्येक वर्ष आविन्यों में कैसा समारोह आयोजित होता है ?

(A) रंग- समारोह

(B) धार्मिक

(C) विश्वकप

(D) राष्ट्रमंडल खेल

Ans – A

20. 'एक पतंग अनंत में किनकी रचना है ?

(A) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(B) विनोद कुमार शुक्ल

(C) यतीन्द्र

(D) अशोक वाजपेयी

Ans – D

21. मिश्र 'रोन नदी' में है।

(A) भारत

(B) फ्रांस

(C) अमेरिका

(D) रूस

Ans – B

22. ला शत्रूज में रहकर लेखक कितने कविताएँ की रचना की ?

(A) 20

(B) 25

(C) 30

(D) 35

Ans – D

23. ला शत्रूज प्रवास में लेखक कितने गद्य रचनाएँ लिखी ?

(A) 20

(B) 25

(C) 27

(D) 35

Ans – C

24. आविन्यों है -

(A) कहानी

(B) कविता

(C) जीवनी

(D) ललित रचना

Ans – D

25. महात्मा गाँधी अंतराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति थे?

(A) शिवपूजन सहाय

(B) नलिन विलोचन शर्मा

(C) अशोक वाजपेयी

(D) यतीन्द्र मिश्र

Ans – C

26. लेखक आविन्यों किस सिलसिले में गए थे ?

(A) भ्रमण कार्यक्रम पर

(B) एकांत में रहने के लिए

(C) तीर्थ यात्रा पर

(D) रंग-समारोह में भाग लेके

Ans – D

27. पीटर ब्रुक का विवादास्पद 'महाभारत' पहले पहल कहाँ प्रस्तुत किया जाने वाला था?

(A) आविन्यों में

(B) जारशाही रूस में

(C) डेसाक जर्मनी

(D) दुर्ग, छत्तीसगढ़

Ans – A

28. "ला शत्रूज को किसने बनवाया था ?

(A) जर्मन शासकों ने

(B) फ्रेंच शासकों ने

(C) चीनी शासकों ने

(D) जापानी शासकों ने

Ans – B

29. कार्थूसियन सम्प्रदाय का एक ईसाई मठ है -

(A) ला शत्रूज

(B) कॉथोलिक चर्च

(C) वीलनप्व

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – A

30. 'जारशाही' कहाँ थी ?

(A) रूस में

(B) जापान में

(C) फ्रांस में

(D) चीन में

Ans – A

31. 'आविन्यों किस नदी पर स्थित है ?

(A) रोन नदी पर

(B) सोन नदी पर

(C) टेम्स नदी पर

(D) कोई नहीं

Ans – A

32. पिकासो की विख्यात कृति का नाम है।

(A) द आविन्यो

(B) द वीलनब्व

(C) मादामोजेल द आविन्यो

(D) द मादामोजेल

Ans – C